

आशा भंडारकर

1.322

ASHA ARCHIVES

[illegible]

१० धर्माहं दुष्टावाः हे दुष्टावाः कथागमः हवनकथाः
 दानानि नाथ एवं वादि मन्त्राद्यवर्गः ॥ ५८ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नाभिः ॥ अमाद्यं मय सहस्रं नाभिः ॥ सर्वे तथा
 गता विष्टानां विष्टिनः ॥ सर्वदेवानां च ॥ वदितं पूजितं संप्र
 धानं वर्जं घानं वर्जं च जान ॥ वर्जयुध ॥ वर्जं कात्यायनि ॥ वर्जमिति रा
 क्षी ॥ अऊय अद्याय ॥ घाननूपि निविक्तं नृदक्ष ॥ वर्यां लेकन
 सजील ॥ अंरुगवमिचक्ष ॥ अंचं चं ओं ओं हं हं हं हं सां सां च द २ ग



॥ ह्रीं ॥

ॐ नमो श्रीवर्कसुखाय
र्यो श्रीदानक्रियविन
वाय्यं अष्टमिह नमः
म ॥ अस्मिन्सलेपन
महाकार्द्वनि उग्रच

ॐ नमो हगवक्ष ॥ आ
म ॥ नयथा ॥ ॐ महा
सनम हवचपना के
अपाभगृहस्तु हवक्ष
पिति ॥ अरुमृषिसह

॥ वं ॥

ॐ श्रीवर्कसुखाय नमः ॥ श्रीवर्कसुखाय नमः ॥
हृदयं नमः ॥ अष्टमिह नमः ॥ अष्टमिह नमः ॥
म ॥ अस्मिन्सलेपन ॥ अस्मिन्सलेपन ॥
महाकार्द्वनि उग्रच ॥ महाकार्द्वनि उग्रच ॥
वर्कसुखाय नमः ॥

ॐ नमो ब्रह्म षः ॐ नमो मातृ वायः ॐ नमो
धर्म षः ॥ ॐ नमो रत्न विद्या षः नमो ब्र

ॐ लाळा लोकमागि शुवनऊतर्गं श्रुत विद्या नूकं वहिर्नेवास्याधिं
गलकसाधितयतशुजलवामखदागपाशं कर्हि सर्वाददं किं दं हि
नकनधं नासाग्रयूयं मधुसूतं मातावाधिसुलोकिनगुधवर्दापाद
कं मा धीनेवासा ॥ नमो मिथी वरुवा नादि सर्वे पापप्रभातनिमाल
विधेः सनिदरीचूडलेहलदायनि ॥ श्री हवर्गयनमातुलीमालमाया

प्रमावर्कं शुभ्यमाकर्तुं नारिर्द्विर्धो हवर्जनाथं नमामिह ॥ श्रीखचमर्थं
 नमनंगजिह्ववन्वादनसूदनयस्कमग्यालाजदंदनस्थवैदं
 काद्याटविनाहिगाहितकनसिंधूनश्वरास्कनवंदं श्रीनसूतासुदग
 ६४ टिसिद्धियदकदमरभो ॥ श्रीपार्तजस्याकंकुमानिकुमालिकंचि
 कयाजामालाजयमिसयान्यकार्दयवि। कसिकवचनाचारनिष्ठा

१

विसाचासंख्यायावधनपाठलिककसुक्रगामूधुमालाजयमिसाहा
 दसदवयविधिबुवतजननिचठिकपाठकसांश्रुक्रुर्कनादिव
 श्रुविकनिवासिनिश्रुष्टरुचवसंक्रुर्कश्रुष्टमाहकाकुरुपालेप्रहामा
 सिह ॥ अंकलकलनिकयालेकंदसिददयानिकचनिलव्यालवृष्ट
 रुविकिस्त्रसमयदसादकानाजयवतुकनाथसिद्धिदसादकाना

दृष्ट्वाजिह्वासमदिकल्पसिलसंयुतसंयुतं कामकार्त्तव्यं
विहङ्गकदम्बननोगपचरन् ॥ ५ ॥ माहस्यं स्वसन्निजकारुणस्यना
वीरानजगन्धानूतप्रहस्यमकुचलनसमदितवातेवृद्धायनसमिपम
केस्रयादिर्विविधवतापनिययकुमानाजाननिविवनस्यासूम्भ
मर्यातिपूर्वकनातिरुचनसर्वगोजननिपुनमामिरुथा ॥ १० ॥

ऊकाद्यादिकश्चतुष्टयमहसाचक्रयनेपानिनाऊरुधातुकपंकजाद
 हचहमेत्वाममाकस्वकिश्रुणनाश्रीसमधरचियेसंकुसश्रवात्
 वासवूदागपैरुचगायदूमाहधर्मायकस्मिन्नमवसंधानासना
 नवादानिदानमगाबनिदसयामिमनाव्याधंसवइखेयमाचमी
 चलोचप्रतियन्नगरुवसूर्येचलादहीरव्यधिनसत्तास्वरुलथी

॥ वं ॥

वज्रसत्त्वकुम्भमांसिलसांनमामि कस्मैशु नाशुनेशु नानननुविद्या ॥
याचिमाहवनिमाहवनाभिनामधि ॥ लोसिद्धिमाधनरुथामहानिधानं ॥
शीलाकनाथंचनक्षीभनक्षीयकास्मि ॥ वदंउलाके नाथंशुनवननमिने ॥
पादसंस्तानः धिर्ज्जं कं वीर्यं अं नं सकलगुहधीधिधर्मनाजा ॥ ह्रस्व ह्र
स्वमाहं चकाभाकलिकलकमलो कामलो राग्यं अं नं ॥ चंव रं भाकसि ॥

॥ ६ ॥

॥ ६ ॥

ह्रस्वचमिकभिलभातर्वकालं नमामि ॥ किं कल्लं संवा नाथं कनक्षधनं
मामि अभायपासं नामाना ॥ लाक नाथं नमामि मामकिल्लाचनीयचनीम
ना ॥ नभाकुसुमनूपा नागिनधु कनं वं ल्य सर्ववदलयं वं ल्य धर्मधु
नमः शुभं ॥ नमः क्लानकुनवीनकुलानरुयनासनं ॥ कुनसर्वकुनकाल
स्वाहा कालं पुक्षाम्यहं ॥ ४ ॥ ॥ सहधर्मयक्षुलीकाजसर्वरुकन

॥ वे ॥ सात्मके ॥ समनरुडभास्तानंभाकसिंहंयक्षमामिहं॥ ६६॥ ॥ भुरु
अर्धवानगुर्धवाः समदासनदीयम॥ ६७॥ ॥ कंधर्माश्वादि ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥



॥ व ॥

ॐ नमो श्रीवज्रसत्त्वाय ॥ व
जाकालः शुद्धगुणमहापु
त्रसन्निभिरुक्तानिहियुधि
लकशिवायै पद्मगर्भयं
तुयममधुलं ॥ १ ॥ श्री

रुसत्त्ववान् निबंजननि
यनिनामन्निनाकाल
वि ॥ १ ॥ ममवज्रसत्त्वाय ॥ १ ॥
पाकाल्यादस्यपनउदय
कासजायमदवी प्रसणा ॥ १ ॥

नमिनागुरु ॥ वज्रसत्त्ववज्रकाययध्वयत्तयानमिका ॥ १ ॥ वेलाचनमिली
ह्वं वाममूयममिकाफः मऊखददयऊनं ॥ नत्वासे ममायणाय ॥ १ ॥
नत्वाकस्यवेलाचनदहिननत्तसकव ॥ पश्चिमस्यममिकाफः वामस्यममाय
सिद्धिः ॥ १ ॥ वेलाचनमहाकाकिशुकवर्धमहाहलं ॥ लवकपीकचकम्पा
मश्चउवकरवकुमहं ॥ १ ॥ यनमगुनवजाचार्यश्वरुयध्वनंशुरुं ॥ १ ॥

॥ व ॥

सलनसमालीङ्ग ४ सर्वकथागगाहव ॥ १ ॥ नमो हव गगधगग्धजिनिग
हवहवचक्रय ४ कचध हव वरुणाधीजिक्कायाकुलाकधन ॥ ६ ॥ ममा
सकमश्चयीयंकायसर्वधीवर्धविलंकित्वासायन ॥ मेडीयवीरुससम ॥ २ ॥
करुडकं ॥ ३ ॥ कुजदहिचक्रमानकः वामाकुजमयनाजिना ॥ मयहयगीव
यममनकधुलि ॥ ४ ॥ मन्त्रलदहिधवाहककिनाजनीलदधुदहिधम ॥ ५ ॥

हावर्जमस्त्रवायखाहा ॥ धर्मिवाक्कवानाडाधिंजागुदानयाकसाने
दोलद्विपुंष्यइदुल ॥ २ ॥ ॐ स्मनश्चिमलस्कधमहावर्जवह
धर्मिवाक्कवानाडादानयानाने ॥ क्कालमाइदानयानाने ॥ लहि
कदानयानागुपुंष्यइ ॥ ३ ॥ ॐ रुनसारुनहिसनसचमहा
ऊमहंरुद ॥ धर्मिवाक्कवानाडा ॥ पूजायाताडा ॥ दानयानाने ॥ ध्व

॥कं॥

यायेष्ठयाख्यामइ॥ ४ ॥ॐ नमो॥ सर्वं कथागतदृश्यं नृग
नं अंकुशगिरिस्त्राहा॥ धूमिवाक्कवातावं॥ दालकिगुं नमस्याना
गुयायमाचनइय॥ ५ ॥ॐ नमो॥ महानत्तचंद्रालकाचसर्व
हमिइतकपूरककुनाजायकथागताय॥ धूमिवाक्कवातायापू
ष्ठनं॥ दालकिगुं नमराजाइयदयिडा॥ ७ ॥ॐ नमो॥ चंद्रमठ

॥२॥

नविस्वधयमात्यं कथागताया॥ धूमिवाक्कवातावं॥ ध्यागुपुंष्ठनं
नीर्वाणपदलायिडा॥ ८ ॥ॐ नमो॥ सर्वधर्मपुंष्ठपुमिरास
वितनदिस्वस्वनकसम्बपूरककुनाजायकथागताय॥ धूमिवा
क्कवातावं॥ धुगुं नमस्यानागु॥ पुर्वेकं नमस्यानां जयागुयायमाच
नइयाउनिर्वाणपदलायिडा॥ ९ ॥ॐ नमो॥ रगवनमूकात्यकथा

॥ कं ॥

गगायाश्चैकसंयक्त्वं वृथाय ॥ धर्मवाक्त्वानायायैव धनं ॥ अकर्म
अधर्मो या नागुपायमाचनइयू ॥ अकनिष्ठाशुवनसमनियमस
ऊन्मइयदयि ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते नमो नमो गगायाश्चैक
संयक्त्वं वृथाय ॥ धर्मवाक्त्वानायायैव धनं ॥ धिलक्षिगुऊन्म
सया नागुपायमाचनइयू ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते नमो नमो

॥ ३ ॥

अरुवासविकिं न संयमनि नमो गगाय ॥ धर्मवाक्त्वानानं ॥ मखगु
वचनज्ञानाशयागुपायमाचनइयू ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते नमो
कंचकधीभासनायधिनचियसाहसुसकसहसुपानमिनायसर्व
सयुक्त्वं नमो गगाय ॥ धर्मवाक्त्वानानं ॥ धयोगुपैव धनं गुलिकवह
या नाधिकज्ञानाअकलपुश ॥ धूलिकपूष्यइरुल ॥ १२ ॥ ॐ नमो

॥ क ॥

चन्दनसिंहविक्रदिनधर्मयानिविजयधनतथागनाय ॥ धर्मि
वाक्यवानाते ॥ ध्यायेन्धनं यश्च महापापमाचनइयाउ ॥ अनि
१३ ॥ ॐ नमो गवयमहाननधर्मसंपूर्णतथागनायार्हं
सम्यक्संबुद्धाय ॥ ध्यायेन्धनं यश्च महापापमाचनइयाउ ॥ अनि
याउइयाउयमाचनइया ॥ १४ ॥ ॐ नमो गवयमहाननध

॥ क ॥

इत्थं धनीविष्णुधनीशमलविमलजयवाहनी ननचनहंहंरुद्ररुद्र
इत्थाहा ॥ ॥ ॐ मां धनधी धनयवाचयन्संयुक्ताभयसम्यक्संबुद्धधन
यिरुवनि ॥ सुनिधनारुवनि ॥ सत्कुरुगुरुधनं पुनिगुरुनि ॥ एकवानो
विभुमाइधकल्यकारि संकिर्ताविपायजयंगरुनि ॥ एकजनजायनम
हायधुमारुवनि ॥ दिनियजनजायनमहाविष्णुधनारुवनि ॥ हनियज

॥ ३॥

॥ ॐ हं हं गवन्मम हृदयं य कश्चित्कलपया वा कल इति वा वा हि कल वा हि
कली वा कल दया वा धनयिष्यति वा वयिष्यति मनसि कनिष्यति ॥ नमः
सर्वानि कार्याणीति सिद्धि कनिष्यति ॥ वायो हि सुखादि देवानादि सुखाः वा
वाययिष्यति ॥ नमो हि धनं धानं धनिनेत्युवर्धं हं ऊनं कृपया सयिष्य
मि ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो माधिरुद्राय ॥ माधिरुद्र सनायकिय ॥ ॐ ॥

॥ ॐ हं हं हं ॥ ॐ हिलिमानिरुद्र ॥ हिलि २ माधिरुद्र किलिमानिरुद्र किलि २
माधिरुद्र गिलिमानिरुद्र गिलि २ माधिरुद्र ॥ विनिमानिरुद्र विनि २ मा
धिरुद्र वनमानिरुद्र वन २ माधिरुद्र वनमानिरुद्र वन २ माधिरुद्र कन
माधिरुद्र कन २ माधिरुद्र ॥ मनमानिरुद्र मन २ माधिरुद्र सर्वासायनिय
नय ॥ नयथा ॥ ॐ वनं क मनं क मनन मनथ मयथ ॥ हिलिमिलिकलि

॥ म ॥

कालिः पृष्ठं रुद्रः मिलि शैलाहा ॥ ६॥ ॥ कृत्तिथी कमल हृदय नाम धाम्नि
धियनि समा फल ॥ ६॥ ॥ ॐ नमः श्री माहा कालाय ॥ ॥ भेषादि हावने
पर्व वरुः शुक्लानन कनन हा रुद्र शुभं मधुल ॥ ॥ कानस म्भुव मात्मानं रुगा ॥ ॥ नं ॥
वने ॥ ॥ धादग रुद्र माहा काल हाव यरु ॥ ॥ म्भुव दनं च कु विं स नि न कुं च कुं व
रु धादग रुद्र द जि ध कने ॥ ॥ कर्हि वरु ग रु चर्म म्भु मन्नी शुभ रव रुं ॥ ॥ हा ॥

मधुल ॥ ॥ वाम कने न क पृष्ठ क पाल ग रु चर्म दधु क हा र्श रु नाम न द मन
न न गिल द धानं ॥ ॥ स्य पृष्ठ जा हां व ना नि जि रु रव रुं रुद्र मानं हि शै ह शै हा शै
पनि रु म्भु वं महा नी डं नि का या त्म कं ॥ ॥ य रु व रु म्भु टि र्थः न न म्भु मा ला ज
रु नं रु व यं कने ॥ ॥ पूर्व महा मा या म्भु रु नि सि रु का का य श्या नि रु य द रि रु का
च रु रु जा व मि क पाल ॥ ॥ दि नि य उ म न रा द यं नि ॥ ॥ द जि ध कने टि दि नि य म्भु

॥ म ॥ नंरुद्रवर्धमकरकेभाडिलावनी ॥ विकरुडवाकरहि ॥ अमरिनीलवर्धव
 उरुमाणां पप्रकर्हि ॥ वामकनाणां नकपर्ध कपालवामनधुनवनि ॥ यशा
 लीधायदष्टिगुनमहिषाकानानग्नमकरकेभी ॥ पश्चिमकालशक्तिवा **॥ ठै ॥**
 मकपालरामधुदक्षिस्थमरुनप्रिगुनं ॥ यशालिंठायदक्षिमा ॥ नकव
 र्धमकरकेगीडिलावध ॥ सर्वदवस्थविकरुडवानागाहनधुविना ॥ च **॥ हा ॥**

उवकानचडुदेवी अग्निहृद्रवर्धदिहृद्रकपालहृद्रकर्हि यशा
 लिंठायदक्षिमासर्वान्ध ॥ नमस्वचरि कानकवर्धकर्हि कपालहृद्राय
 र्ववत्सर्वा ॥ वायव्यचन्द ॥ निपीनवर्धसमान्धचन्दमृगहृद्रायशालि
 ठयदक्षिमा ॥ अन्ध्याकलिलगन्धनिमुकवर्धवमहृद्रासर्वान्धाय
 शालिंठायनाक्षिमासर्वान्धविकरुडवा ॥ डिलावनामकरकेभीस्थजहि

॥ म ॥

अष्टागिनीरु॥ पवित्रं नृप नृपसमाधिस्तु मद्यज्ञानन्दिकनवना
दुष्टशालिंधपदधवज्जुनवकाकाववंरुं नृगवनांयु॥ नृशायमकु
अंषादभुजायः हं शंकिलिधं वदुधानुदुष्टकरुनवाय॥ सर्वसिद्धिहा
यकायः हिनिशंकिनिशंखाहा॥ अंमकुंजय॥ अयंमकुंजाज॥ स
जायनवद्वलं महिवज्जमधिदृष्टि॥ अकिर्मललं॥ अयष्टज्ञानकिमा

॥ सं ॥

॥ हा ॥

हासिधयशसिद्धि॥ अथवल्लिंदुमरुकि॥ नृद्वरुगवनांसयनिवार्नं
नाशवय॥ वलिमकुंजांष्टुवल्लिंदुया॥ नृशाययनिमकु॥ अंनमामाहाका
लायमहाइष्टाकटुनवायमहाकाधधिपकिरुयापिंगधकभायचडुविः
सकिन्यशायरुद्रुजिवपूषायकपालमालधनिंद्या॥ अंकुंजुंरवरवखहि
ॐ मेवल्लिः गुरुं हहाहिहीरुहहहहाहोहं ह॥ महावज्जवद्वायकायमा

॥ म ॥

मभिष्टुतः टट शंकट शंकनय शंहीममहकाधधीपकयः नासय शं सर्वसक
इष्टसत्त्वांदमकपालायः मीदही शं सर्वान् ॥ नासय शं हं हं किनि शं हं हं हं
सर्वज्जयिभाधनाऊसाकिन्ननाधसर्वभाकिः कनू शं सानावहव ॥ हं हं
नासय शं माहाकालाय कामनूपाय ॥ महारुयानकाशहिं नः दम शं दमय शं
नासने ॥ सर्व इष्टसत्त्वानां मूषनरुनागभधियकयः नय शं नासय शं मान

॥ १० ॥

॥ हा ॥

य शं हं क शंकन शं वरु शं हट शं छिन्द शं हिन्द शं हन शं दह शं पच शं मथ शं सम
य शं वरु शं समसनूपाय काखोस्वाहा ॥ वलिमरु ॥ अयं मरु नाऊधयिनिरी
नं नाहिं मयमास्य नादान ॥ सर्वानिपर्थ सर्वव संपद्यं कृनि कृत्वा वलिं य
कया सर्वविद्युनासयकि ॥ सर्वसकृन्नापि भाधकानिका ॥ सत्त्वा ॥ वलिं द
मानस्यकि वविनायध ॥ अथाकनंदानस्य धपि कं गिरु कत्साधु कं ॥ जाकि

॥ म ॥

ध्रुवं मृष्टसिद्धि साधयन्तु समर्थं रुक्मिणी ॥ सर्वयोगाय सर्वजन्तु सर्वदुःखं
वलादवापुनामनस्याध्वनुगयन्दिनयजायन्मूर्धनं ह्यमयानि ॥ अकन
पारावयन्ति ॥ ध्रुवं स्वप्नमाह कालगुरुगुरुं ॥ दुरुहविषयवर्हमानाजानि ॥
अदूनाहविषयानि ॥ सर्ववृद्ध समननाजस्यवलिदाननयस्वसम्प्राजयदि
मसिमहत्वा अस्ति नालिषह विद्याहस्ताधनयनिकस्यनिकनागशरिर्कम

॥ ११ ॥

॥ हा ॥

लककानिपलयकानना ॥ सनिनक्षयहवनि सह अय माहाकाल
समर्कियर्षधध्वलिमकुदयंविद्या ॥ अन्यनमकुधभगतिमिनिरुया
नियंगुर्विधीयाकयन्ति ॥ गुष्पप्रवसन्ति कुवं सह अय नानारुयपिदि
कानांसयनिकवन्दनानस ॥ अमृगवानकस्रुथावकूयमाहयन् ॥ अ
नवव्यायुधर्गजामहिषादिवकनक्षरानसिंहयानिकि कुवं ॥ सर्वका

॥क॥

ॐ नमो श्रीवर्जसत्तार्य
सागनमस्तुवर्जसत्तार्य
नमस्तुवर्जसत्तार्य ॥ अथ
पीजाय वाक्यवानसा
इति ॥ १ ॥ ॐ नमो

ॐ नमो ॥ नमस्तुवर्जसत्तार्य
ॐ नमो नमस्तुवर्जसत्तार्य
वाक्यवानसा ॥ अथ
नमस्तुवर्जसत्तार्य
नमस्तुवर्जसत्तार्य

॥१॥

वाजाहि॥ महाश्वरवनि॥ कामस्वनिगर्वर्ज॥ प्राकल्प २ हत २ प्रानात किं
किन्ती शक्तिपिनि २ धून २ वर्ज २ हस्त स्वस्वय २ वर्ज २ स्वदांग कथा धाजनि
महापरिसिक्त माहासुनि मानूखिना प्राकल्प ॥ अनिरब्ध ॥ नलसिल
माला व्यस्थि कधानि शुद्ध हत २ प्रानात सर्वय २ नाम माहासुद
निर्काटमूर्ति दृष्टा कजालिनि॥ महामूर्ति॥ श्रीहनुवदवस्था प्रथम

॥२॥

[illegible]

॥ने॥

ॐ नमः श्रीनेनात्मादवीन
सला ॥ मकूटके आर्धया
दिना वाहिनिखिलरु
प्रियनसिक्तकितवाहिने
मकूटकेसा ॥ छिनकुवा

मा ॥ ॐ नमो रगवर्धदिग
ददिनकनरास्यमूदिना
वरहसिद्धिसंवाधिदा
आत्मादवी ॥ प्रकमूरव
चलकेऊतदिउऊ ॥ सव

॥४॥

पाषाणास्यखदाऊविह ॥ दिपादययंकनित ॥ वंरुमवर्ह ॥ पययुच ॥
वाहिसद्वक्त्रवचनादादाकालेवर्मासुतर्हलाक्षमागांउऊध्वनितां
सदवकिना ॥ महामकुमरांमायागुच्छध्वनि ॥ छेलाक्करनमखाउलाक
जसनिपूतगुच्छस्वनिमियमाता ॥ मासंमायनिविसूता ॥ छेलाक्काज
तनिवेयाप्रपयउंउऊनि ॥ कपादिहानमाउतविदग्गसाधकेस्वनिः

॥३॥

मन्त्रिभाहिनियहं३६६॥ॐ नमस्तुभ्यो विस्वधनि त्वाचनि काईनिक
राचिनियहं३६६॥ॐ नमो संजामिनि मालनि सप्रद निय नाऊयहं
३६६॥ॐ नमाने वासा देवी महायागिनी कामस्वनि स्वर्गहं३६६ स्वाहा
नयथा॥ॐ प्राकृष्य २ हन २ पानान कि कि नि शिखि नि २ धर २ हन २
वक्र सहस्र स्वय २ खदी ग क पाल धाच नि॥ॐ नमाने वासा यहं३६६॥

॥३॥

वक्र ला देवी यहं३६६॥ॐ नमो प्रकृष्य वागि स्वनियहं३६६॥ॐ नमो म
छिन्द ना २ धस्वचियहं३६६॥ॐ निचूपायहं३६६॥ॐ नमो कतिचूपाय
हं३६६॥ॐ नमो रुगवति देवी यहं३६६॥ॐ नमो मदारुच वियम रु
यचि सि ते मात वा का पासा चिख नल सिल मा ला मुदि तंधा चिनि॥
सुमनि सुम हन पानान सर्व म हा प्र स वा ना म हा मा सु ह द नि का ई

॥ने॥

निमूर्तिदृष्टाकलाचिनिमहामूडा ॥ श्रीरूकामहविषसहस्रवाह
वसगसहस्रासनसिनिरुदमिनीरुदशहंरुंखखधधधनरमून
श्रुदगमेदमायायागिनी ॥ यथिकसिख ॥ ओं धूधयग्रहंरुलिमह
ससविनहांरुहाहंरुंयलाव्विनासनिमगसहस्रकाटि ॥ तथा
गनयचिवाचरुंरुद ॥ ओं सिंरुनयख ॥ गऊनयग ॥ ठेलाव्वदल

॥नं॥

महासमूहमयखनप्रसश्रुंरुंरुद ॥ ओं विचादेनहंरुंरुद ॥ ओं महाय
श्रमाहनियाखध्वचिन्वी ॥ सर्वगकिनिलाकानावदनिमवप्रय
यकाजतिहंरुंरुद ॥ ओं शुभगसनिमहाविनयनमविजयसिद्धया
गध ॥ गुम्भचिमिनीरुसिनिरुदहंरुंखखधधधनरमूनरुंरुद
नरुमहायागिनीगुम्भस्वचिपुनकसिद्ध ॥ ओं प्रपववयधशयग्रह

॥ न ॥

रिमदसविनरहाहादिहिरुंरुं लोकापुनरुचिकालिनिरुंरुं
द॥ अंगुतदाकिनिमहाविनयमगुमस्वविदंरुदस्वाहा॥ अंगुम
चिदवताय॥ धीतेनात्मादविदुगदगहंरुस्वाहा॥ अंगुम
यागुमस्वविदुंरुदस्वाहा॥ इति धीतेनात्मादवीदयमक्राधा
ननिपविसमाफ॥ ८९ ॥ ८९ ॥ ८९ ॥ ८९ ॥

॥ द ॥

॥वि॥

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
यद्यप्येवमुक्तं तदप्युक्तं ॥
न स्वयन्ति न पुंस कवि ऊ
ना उर्ध्वयादो हृदयि कथा
पास शब्दस्य दक्षिण ॥ वरु

निर्दय ॥ चक्रे कृतिनी दद
त्सखलनाहिना मृदु
यस्य न ददिकु यनि स नान
लवोष्टिक कना पृथ्या माला
रक्षां सर्वो रुनत विमुक्ता

三

विद्याधनिकर्मयुक्तास्तुलसहजविगुहंमादाजवास्वकयातिजात
काष्टना ॥ नमस्तुभ्यं ह्येति संकि ॥ ओं आ विद्याधनि देवी ॥ ओं श्री ह
नैकमहावर्जं आ कर्तव्यं प्रवस्येव धय २ का रय २ सर्वशक्तिनिना
हृदयं हृदयं ॥ ओं सर्ववृद्धांशकिनिय ॥ ओं वर्जंशकिनि ॥ ओं नृशक्तिनि
ओं पद्मशक्तिनि ॥ ओं विश्वशक्तिनि हं २ ह २ हि २ ओं वर्जंशकिनी समय

॥ विं ॥

स्वदस्यदाचक्रमांसर्वस्वा नाशः ॥ कथथा ॥ उं नमो ह गवतर्धे लाक्
विं डोपनं कचि सर्वं इष्टा प्रमर्थं कचि चक्रमांसु लनित ॥ प्रियमहात्मसा
नवासिनि ॥ विश्वविकटव्यसूत्रा जकि सिधु कपु कपि सा च सिव स्वा
नगृधक कलमायसि यव्या सुइ नम गवा रां ह विवा नम ऊ नऊ नऊ वा न न
चक शुक्र का कशून कचय शक्ति र्गमि गत हूं का नम्र न्या न्य कलि कला

॥ ५० ॥

एतादहं हं काचलि चदकि लि किलायमान लि मरु नव क ह २ का ला कलि
क. वेदना लाया टरु नरु क रुक यना का दान नवा गा ह व लं ड ल लि क नृ न
मान क वेध मृद माला धन सु ल या का य धं ऊ य का य माला धं लार्ध ॥ रु की
क र क श कि के श नि मि ड श नि शो रि ख न सि मि सि मा य मा न यू कि कं च का म
हि क कि म वृ ल इ संचा नं वि चि शु च न नार्ध का ये न च कं च का सि क क चि द

॥१॥

महासमसानवासिनिसर्ववृद्धाकिनि ॥ महाशोडशसयदिव्यन्दनिल
पुनलिनवपूष्यसर्वालकालविदुषिगवृद्धमुगदाममौलाविद्याधनि
सर्वमथागगवर्धकपालसंबूटेकसापटिनप्रयिवकादिनरगधरसिका
वृष्टगमश्रुङ्गाहासकिल ॥ कनखर्कलकलिकविधीधिविचित्रवि
कलावगिपप्रस्फुरितवर्कनस्मिसमकलावलसार्धननचर्मप्राष्ट

॥१॥

गुरुचर्मनित्यस्यनखटुकायधनवदियूधखदांगजागपाशकवक
पाशवचधाकषिगनूधिनगिनविदुलचन्द्रप्रचन्द्रविजायनकनि
सर्वमासप्रमर्दनननककालेधनकृशावमदिन ॥ कथथा ॥ अंश
रुद्रैरुद्रैरुद्राययश्रानयश्रसर्ववृद्धाकिनिसर्वमाद्रुगहावमा
यनिमाहृष्यनिकोमाभिवेष्टुविवाचाहि ॥ ॐ ॥ यनिवाच्य

॥ विं ॥

चामुडामहात्म्यक्रियाविजयाश्रुतिगात्रपनाकिगात्रादित्यस्वमांग
समागमनवधदहस्यनिष्कसनिचनचाहककु॥ कृतसर्वतकृदं॥
यक्रुनाकसुगुणपकपिमाचजकिनिपत्माचापूदन॥ कनपूदन॥ स
र्वापडवात्यवक्ताविष्णुमहेश्वरसनकवृत्ताचगधपनिमहोकांलवू
उयमवचन॥ वृत्त्यलश्रुतिगायशाकसुधिषट्सुवनवाहन॥ आक

॥ पं॥

गवयः२हनः२मथः२प्रमथः२धनः२विधनः२कुलः२कलयः२सर्वाथसाध
यः२कार्त्तनिरुंकाहनः२मथः२कुलाद्यः२सर्वः२रुनहं२रुदः२विदुहि
रुं२मिहालिमलनवचयहूच२वद२प्रहनः२सर्वविप्रविनायका
नाचमालयः२खरखाहिः२दनः२विदचः२किन्दः२यनमकुतारिच२
यनममुडाधानयः२सर्वमजानहनः२सहचः२तास्यः२सर्वः२रुयय

॥ वि ॥

५२ शान्तयश्चानसम्प्रसिद्धाहन्तशालाकालिकाविग्रहकलश
६२ यत्रमविद्यासंठरुकेथकनिरुजशरुचशं हौं किं किं कवश्कट
सर्वद्वानां हृदयबंधश्वाधश्चल्यश्चायं मेव समानयद् अं किं रुगव
टिमेव वृद्धाकिनिविद्याधनिमहामायागिनीनां ॥ वचश्चक्रमांस्थि
चक्रं उरुश्च दृष्ट्वा हा ॥ कृति श्री सर्ववृद्धाकिनि हृदयसमाप्ता ॥ ५२५

॥ ५२ ॥

॥वे॥

ॐ नमो श्री कालायाय नमः
मूढा दुस्विका ॥ यश्च मूढा
शोभत नृपिनि ॥ सर्वोच
निवाचनि ॥ सर्वपापहृता
अकालविक्रम दुर्गाभिधी

नमो यत्संदिगागिभुक्
विदुस्विका ॥ नमामि ॥
धामहाय नां सर्व इक्षानां
दवी नमामि रुयेनासनि
सिद्धि वलपदा ॥ सर्वासा

॥१६॥

परिपूजनि च तमम्यजिनमामि ॥ बुद्धा विष्णु रूपाच ॥ चतुर्भुजा लविता
सिनि ॥ ऐलाब्जमाहीनि देवी ॥ नमामि भुवः स्वः ॥ सर्वसत्त्वस्थिता
देवी सर्वसत्त्वमना रुये ॥ सर्वमकुसुमासा ॥ नेत्रमापनमामि हं
रूपनिर्वाचि व्योमाविद्यस्मरी पृथुसिन्धु ॥ खोचिदावचिच-द्राचि ॥
अस्त्रजागिनी नमामि हं ॥ ॐ नमो श्रीगुह्यदेवी समाप्ता ॥ ॥१७॥

॥ वा ॥

नलां श्रीवर्कवापाहिमकुम्भिदिन्यन्धविश्वरूपकावनदाहिमानिधि
सिधिवलपुष्टयवंकालेसमासित्सहजाशानन्दरायिनियत्ना स्नान
वलदहाग्रतमस्तु श्रीवर्कयागिनि॥ ८०७ ॥ ओम् स्वाहा द्यामहा वि
चालोकपालामहेशिकाकिचयंडुदसकाईविघ्नहंकारनमस्तुते
० ॥ शुभ ॥ ० ॥ गुरु ॥ ० ॥ अमुता ॥ ०

॥ १० ॥

॥ वं ॥

॥ ओं नमो श्री चतु महाभा
रु संपुव ऊमि सर्वम
वन सर्वमालय नाजि
यन ॥ मनु समुचयमा
यहै है रुद्र ॥ ओं नमो

वनाय ॥

॥ नमो

कुसुमवय ॥ नमो रुद्र
ना नमो समाधि समाप
ह ॥ ओं चतु महाभा वना
है है रुद्र ॥ ओं है है रुद्र

॥ १ ॥

॥ ५ ॥

ओं है जो किं कीं कीं वन नय चरुं प्रचरुं कहं प्ररु लयं प्ररु
लयं हनं वं वं गुसं वं वं रुद्र यं रुद्र यं माह यं सर्व स रु
नाम वं वं वं कन २ सर्व ग किनी नां यह रुद्र रुद्र ॥ पि मा च व्याधिनां
रुद्र रुद्र ॥ अस यं मल २ मालय २ न न न ॥ वन नय चरुं वं वं रुद्र
वन महाभा वं वं सर्व मा लय य कि ॥ ओं चतु महाभा वं वं है है रुद्र रुद्र

॥ चं ॥

ॐ क्रियं च नाधो सामान्यमनु ॥ ॐ हस्त चल हूं हूं रुद्र ॥ ॐ भूमा च
ले हूं हूं रुद्र ॥ ॐ पीता चल हूं हूं रुद्र ॥ ॐ नका चल हूं हूं रुद्र ॥ ॐ स्यामा
चल हूं हूं रुद्र ॥ ॐ वज्र मागिनी य हूं हूं रुद्र ॥ ॐ पुस्त्या नमिना हूं हूं रुद्र ॥ ३ ॥
॥ ॐ पिचं यस्तु वधनी कली कलिक मधु वधनी ॥ धिनि धिनि धिनि
धि वधनी साहा ॥ ॐ धय वजी य हूं हूं रुद्र ॥ ॐ मोह वजि निय हूं हूं रुद्र ॥ ४ ॥

ॐ पिशुन वजि निय हूं हूं रुद्र ॥ ॐ जाग वजि निय हूं हूं रुद्र ॥ ॐ व्याव
जि निय हूं हूं रुद्र ॥ ॐ नभारु गवक च व महा भाष नाय देवा गुन मन्यु जा
सन क नायः चतुर्मास विनासन क नाय ॥ अरु सिक्कु मवर्क स्य दय साय
नल मकट गिलसी ॥ ॐ दं वलिग रुद्रं मम सर्व विद्या नः दहं हनं चतु
र्मा लानः निवानय शंका सय शंका मय शंकिन्द शंकिन्द शंका सय शंका यः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 भगवत्पदं भगवत्पदं
 भगवत्पदं भगवत्पदं
 भगवत्पदं भगवत्पदं
 भगवत्पदं भगवत्पदं

४॥ ॐ काठपिङ्गलक
नश्चकनश्चयद्वलश्च
यस्यनश्चदमश्चगुद्राय ॥ १ ॥
नागभक्षी ॥ नागनाजानो
नासयश्चपीहं नासयश्च ॥ २ ॥

अस्मन्नाथो नास्य ईवं सर्वभाग्नाथो नास्य ईव काहिका याहिका
हिका चतुर्थिकं सर्वज्ञं ॥ सन्नियोगकं न ईष्टकं ॥ ॥ वार्तिकं
पैठिकं ॥ प्रथमं ॥ सन्नियोगिकं ॥ नृपमासिकं ॥ साम्यवत्सनि के ॥
एवं सर्वभाग्नाथो ॥ नास्य ईवं श्रीजगत्पुत्रवज्रप ॥ मम सर्वसत्त्वा ना
अमर्त्यः कन ई स्वाहा ॥ ॥ जीवजसत्त्वसमयमनूपालयः वज्र

॥ व ॥

॥ १० ॥ **वज्रसत्त्ववाच** ॥ विश्ववज्ररूपिस्त्वयं वज्रदिगं वज्रशुविष्णुका
सगगक्षगजनमश्चरुमज्जालमम ॥ ११ ॥ **नरयवर्विलावक्षदक्षिधन**
सम्भव ॥ यश्चिमज्जनामरुडरुनज्जमायसिद्धि ॥ १२ ॥ **अग्निकाक्ष** ॥ १३ ॥
आलक्ष ॥ नमस्तुताक्षदवीमामकिवायवयाधुनादवी ॥ १४ ॥ **अनन्दवी**
र्याना ॥ १५ ॥ **अग्निगर्हमधुलं** ॥ अग्निगर्हस्यनयवज्जनामस्तुताक्ष ॥ १६ ॥

अग्निगर्ह ॥ वायव्यगन्धवज्जनामस्तुताक्ष ॥ १७ ॥ **यवमाहप्रतिका**
यां ॥ मदीयजिनिगर्ह ॥ दक्षिधरुप्रतिकायां वज्रयाश्चिधराय ॥ १८ ॥ **यश्चि**
मरुप्रतिका ॥ यां लक्ष्मणमरुप्रतिका ॥ सर्वधीवर्धविक्रं हि समनरुडस्यउ
रुन ॥ १९ ॥ **यवद्वानज्जमा** ॥ कदक्षिधनपुल्लक ॥ यश्चिमद्वानयग्राम
कउरुन ॥ द्वानविष्णुनक ॥ २० ॥ **अग्निगर्ह** ॥ अग्निगर्हस्यनयवज्जनामस्तुताक्ष

॥ मं ॥

॥ नेमसु रू नील दधु वायस्य महाबल ॥ २३ ॥ अं नथागरुषाफदि
गविदिगं सिगारुवं ॥ अकुरु पथि वीमधुलं रुवकु वज्रकवच ॥ ॥ ॥ ॥
दिश्रीवज्रसत्त्वकायस्य रूथगारुषाफवज्रसत्त्वकवचसं समाप ॥ ॥ ॥ ॥
॥ अं नमाम रू नं थाय ॥ अं नमो रुगवश्यमश्नी कृमालरू नायवाधिसत्त्वाय
महासत्त्वाय महाकान्धिकाय ॥ नयथा ॥ अं नमो रुविनरु विमलः शुद्धविश्व ॥ ॥ ॥

धर्ममग्नि किंचिदप्यरु कुरु नाजाय नथागनाया रू न सम्य संव
दाय ॥ अवाच्यवानाया पृथ्वी नम्यवया धनसंय मिहका अकया
गुणायमान नश्यू ॥ १३ ॥ अं नमो रुगवश्ये नवशक्ति सम्यक्
वृद्धकाटिनां यूरु सहस्रनां गंगा नदिवाल्कायमाना नथागनका
टिनां ॥ अवाच्यवानाया पृथ्वी नमो रुगवश्ये नवशक्ति सम्यक्

॥ क ॥

115

रुगवत्पञ्चायकनसुधनरुथागनायाः ईदं सम्यक् संवृद्धाय ॥ १७ ॥
 गेवाकवाताते अचरुद्रयुवलसुधमलयागिणनगकगनिष्ठा
 १८ ॥ अंतमरुगवत्प्रवेसर्वरुथागं विहजति स्म ॥ १९ ॥
 उध्वज्जीयनरुथागनायाः ईदं सम्यक् संवृद्धाय नमः ॥ २० ॥
 वाताते अचरुद्रयुवलसुधमलयागिणनगकगनिष्ठा ॥ २१ ॥

॥ कं ॥

ॐ आ॥ प्रिसन ॥ प्रकृत्यात्मकप्रियायवर्जधनसूधिकल्प
दसमूहसमूह नमो नानकसुमनससर्वसिद्धिप्रयकं ॥
थवाव्यवानानंथयापृथ्वतगुचयाकशावाधनायानानदका
सिद्धिदयाअयुक्त ॥ २१ ॥ ॐ नमोवर्जकाईमहाधीहनुकहं
रुद ॥ ॐ ननु २ हं हं हं हं ॥ ॐ अका नयमानककहन २ मर्थरु

॥ ॐ ॥

ऊहं रुद ॥ ॐ यमानककहन महाकाई हययिवरुन २ हं रुद ॥ थ
वाव्यवानानंथयापृथ्वतदकारयमाननरुयु ॥ ग ॥ अतसां
थवाचनिवानानंकिननरुयु ॥ २२ ॥ ॐ वर्जकिनिकिलायस
र्वविष्णुत्वं रुद ॥ ॐ गुहस्तनधीहनुकगुहस्तनकाटिचिहं
ममयागिनरुत् २ हं रुद ॥ थनवाव्यवानाम्यापृथ्वनसूच्यवति ॥

॥कं॥

वासनायदयिउ॥ २३ ॥ॐवर्जवधसर्वइष्टानहंरुद्र॥ॐवर्जमहा
गुनसर्वसिद्धिहंरुद्र॥ॐह्रींयमानकवर्जकार्दह्यगिवहंनरहंरुद्र
धनवावसानानंकासयवयामधुलमकुधानतिरुल॥ २४
ॐसर्वकथागतउद्दीयधातुमिनिस्वाहा॥ॐसर्वकथागतधातुविशु
षितमृषिस्वाहा॥धूमिवावसानानंनगकारयउ॥ २५ ॥ॐनमा

॥नं॥

रुगवत्पञ्चसर्वकथागतविहजितस्म ॐदककुर्वजधीनथागनाया
इहंनसम्यक्संवदायनम॥धनवानायापेधनदकाकार्ययानसिद्धि
हयुक्त॥ २६ ॥ॐनमाश्रासननायकध्यातुकियसायवकुधाल
सूधिकल्परुद्रसमूनमवाचानूक्तनसर्वसिद्धिप्रयत्नहंरुद्रहंरुद्र॥
ॐश्रा॥कार्दककुमानक॥हन्तमर्थहंरुद्र॥ॐयमानककककम

५०॥

काकाई हयशीवहू नरुंरुद॥ थनि वाक्खवानानेदकायोकित्त
ले २० ॥ ओं नमावर्जकिल किलाय सर्वविद्युन लंरुंरुद॥ ओं गु
सुहानधीरुनकगुक्कानकादिस्वनिस्वममथानिनल २०००
ओं वर्जवध सर्वरुहानरुंरुद॥ ओं वर्जइरुहानरुंरुद॥ ओं वर्जइरुहान
काई हयगवहू रुरुल २०००॥ थम वाक्खवानाने कामद वया

॥ ५० ॥

मकुडल॥ २० ॥ ओं वर्जमहागुच सर्वसिद्धि रुरुद॥ थनि वाक्खवाना
ने कामद वया मकुडल॥ २० ॥ ओं जीयमानुक्क कवर्जकाई हय
शीवहू नरुंरुद॥ थन वाक्खवानायापुधन कामद वया मकुडल
३० ॥ ओं सर्वकथा नउहीवधाकुमिहिसाहा ओं नथागकवागुरुकु
वीनमृषिहीनरुंरुदसाहा॥ थन वाक्खवानाने कामाधरपिनशायम

॥ कं ॥

ॐ श्रा ॥ ३१ ॥ ॐ श्रा ॥ गवातवेलाचन ॥ ॐ श्रा ॥ मृगाय ॥ ॐ श्रा ॥ न
लेसकव ॥ ॐ श्रा ॥ मृगान् ॥ ॐ श्रा ॥ ममाद्यसिद्धिहं ॥ धर्तिकाव
नातेय ॐ वृद्धयानामधार्मीमकुडल ॥ ३२ ॥ ॐ श्रा विपस्विय
हं ॥ ॐ श्रा ॥ सिद्धिहं ॥ ॐ विष्णुवहं ॥ ॐ श्राकवहं ॥ ॐ श्राकत
कमनियहं ॥ ॐ श्राकाभपयहं ॥ ॐ श्रा ॥ कर्मनियहं ॥ धर्तिकाव

॥ दं ॥

वानातेसफवृद्धयागुनाममधार्मीनिरुल ॥ ३३ ॥ ॐ श्राय्यावलाकन
धनायहं ॥ ॐ श्राय्यमशियहं ॥ ॐ श्राकाभगर्त्यहं ॥ ॐ श्रासमकुड
हं ॥ ॐ श्रावर्जयानिहं ॥ ॐ श्रासंजुमानकुडहं ॥ ॐ श्रासर्वनिवर्धविस्
रियहं ॥ ॐ श्राद्विकिगर्हं ॥ धर्तिकावधानाने मृगाधिसल्लयानाम
मकुधाननिरुल ॥ ३४ ॥ ॐ नमा ॥ कर्मनियरुथागनायहं कसंम

॥कं॥

संवृद्धाय ॥ नमः ॥ ॐ मूनि २ महामूनि ॥ अक्षमूनि यस्वाह ॥ धर्मि वाक्
वानाने उरुम ॥ अक्षमूनि या हृदय नाम धान निरुल ॥ ३५
ॐ नमो रूपावस्थे च न पुरु कुरु ना जाय कथा गगाया ३ हं क सम्यक्
वृद्धाय ॥ नमः ॥ ॐ शुभ २ स न २ समय २ ॥ अक्ष २ दक्ष २ समा जाय म
ना च स्वत च स्वय ॥ थारु वति मे हारु कं नि गान स्व नि वृत्त निर्वो ॥ अ सर्वे व

॥१०॥

वानां विद्यानां विदित स्वाहा ॥ धर्म वाक् वानाने च ला च न या भा ची नि
रुल ॥ ३३ ॥ ॐ नमो रूपावस्थे च न पुरु कुरु ना जाय कथा गगाया ३ हं क सम्यक्
वृद्धाय ॥ नमः ॥ ॐ कं कं नि २ वो कं नि २ ला च नि २ शा च नि २ सं शा क नि
२ सं शा स नि २ पु नि ह क ॥ ह क २ सर्व क म्मे य न प ना नि म्म स्वाहा ॥ धर्मि वा
क् वानाने अक्षमूनि या हृदय नाम धान निरुल ॥ ३४ ॥ ॐ नमो रूपावस्थे च न पुरु

॥ कं ॥

मृदुपुरुषकुजाय गतायाः हं न सम्यक् संवदाय ॥ नयथा ॥

अं न स र मं ह न न ॥ न स स म् ल व न न वि का न ग मिति य स्वा हा ॥ धृ

वाक् क वा ना ते न न स म् ल व या गु धा च ति रु ल ॥ ३६ ॥ अं त मा रु ग व य

मृ मं ग य न था ग ता याः हं न सम्यक् संवदाय नयथा अं मृ मृ

र मृ मं ह व ॥ मृ मृ र म् ल व ॥ मृ मं ति रु ॥ मृ मृ रु क ॥ मृ मृ रु वि

५९९॥

का न ॥ मृ मृ रु ग मिति ॥ मृ मृ रु ग ग क कि रु क न ॥ मृ मृ रु र र हि ल व न

स र्वा र्थ सा ध न्य स र्व क र्म क्रे ष क य क मिति य स्वा हा ॥ धृ ति वा क् क वा ना ते

मृ मं ग य गु धा च ति रु ल ॥ ३७ ॥ अं त मा रु ग व य मृ मा य ति

वि य न था ग ता याः हं न सम्यक् संवदाय ॥ नयथा ॥ अं सि रु र स ति रु

स र्वा सि रु स्वा हा ॥ धृ न वा क् क ना ते मृ मा य ति वि य धा च ति रु ल ॥ ४० ॥

॥ कं ॥

हं हं हं हं स्वाहा ॥ ध्वजं वाक्वा नान ॥ ध्वजानां अस्त्रायाम् ॥ साकासमायु-
ने रुतयकपि ॥ चतुर्किनियायु ह्यद ॥ ध्वजमयुक् ॥ ४३ ॥ ॐ नमो
गवयधीन नृपयाय ॥ ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥
हं नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥ ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥
ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥ ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥
ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥ ॐ नमो गवयधीन नृपयाय ॥ नृपयाय ॥

॥ १४ ॥

मनश्च समाकं समयवा धिखा हा ॥ ॐ ह्रीं माहिनीय स्वाहा ॥ ॐ मनि २-
महामुनिस्मय स्वाहा ॥ ध्वजं वाक्वा नान नर्मिक कचूनामदिकाय्यका ॥
ध्वजं पुनिविहान सज्ञाना कया गुम कुधान निठनामा गुन सुखा वकि सता
नमो लकं माकय द ॐ हं हं हं हं ॥ ४३ ॥ ॐ नमो मश्चोयनम ॥ ध्व-
जीयनम ॥ ॐ नमो मश्चोयनम स्वाहा ॥ ॐ नमो ॥ सर्वकथागणनम ॥ कायवा

॥कं॥

कचिह्मश्चिष्टिउमानकुरुपुजायह्यनायास्माननिर्योनयामिसर्व
नथागनकायवाकचिह्मश्चिष्टिहनुखाहा॥धनवाक्कवानाअयवका
यातदधुअनयानातकुकालकामाकुर्यातात॥दालद्वियानागुयापुष्ट
इहल॥ ४० ॥ अंतमारुगवनेचलकेउनाजायकथागनायाहंकुसम्य
संवृत्ताय॥कथथा॥अंचलश्महाचलचलविजयस्वाहा॥अंतमादहा

॥११॥

दिकिकानसर्वनरुजयाय॥अंदर्यदकसभवेयापविश्वद्विनिच
स्वाहा॥धनवाक्कवानाअयवकायागपुदकिनायानायापुष्टकवा
व॥अंतमादलद्विउलाउपुष्टइहल॥ ४६ ॥ अंचिपलगरुम
निपुरुनथागननिर्दशमनिसपुष्टविमजसागममिजहंकु
लश्चद्विविलाकिनगुक्कस्वविष्टिनगरुस्वाहा॥धनवाक्कवाना

॥ ॐ ॥

याये ४५ नंदकाया अर्थसिया आबुद्धि मात रुखा आस फु नल न सपू रुखा आ
 आय ॥ ४६ ॥ ओंगनि वरुं ॥ धनि वाक्क वा नात नंद दय र ल ॥ ५०
 ओम निधनि रू ॥ धनि वाक्क वा ना आरु यात चि रू धि न रू यो ॥ ५१
 ओं ख च रू ॥ धनि वाक्क वा नात ॥ दका सि धि रु या आ म ना वां का पू रू
 रु यो ॥ ५२ ॥ ओं न मारु ग व व ॥ ए रु या न मि ना य ॥ ओं न द त रि व

५१३॥

निमोनिस्तिर्वाहिनयनश्चो नमो गवनेयुस्त्वेनपनिः० निमिरमि
नीनिश्चुनतिश्चसूनिश्चमनिश्चुयस्वाहा॥ धनवाक्यवानानं क
नामाप्रवानानंनवस्तुकाटिवक्तुयप्रह्मयानमिनायाथयानां गुण
ध्वइइल॥ १३ ॥ ओंशधिनश्चहंश्चन॥ धनश्चश्चनमश्चो
याम्लमश्चवानानं॥ मृष्टिश्चकटिकाश्चल्लयानं॥ मिमस्त्वुनि

॥३॥

उवनखनि ॥ ॐ देवमायविहसंथुमकुवाकवानातंहिनइयू ॥
थवाकवानायाएधनथमनं रुयाउदकाजिसामृथरुआउपा
पमाचनइयू ॥ थपनिहकामिमवगुलिउवनसुजमसइयाउचानउ
नी ॥ थयाधन ॥ यस्महापापमाचनइयू ॥ पककवूइइयाउवा
नइयू ॥ ३४ ॥ ॐ ॥ थुमइथीयाप्रकाकनमकुवातानंदकापा

॥३॥

यमाचनइयाउअहिकर्मयातागुयायमाचनइयी ॥ ३३ ॥ ॐ
ॐ हा ॥ बुद्धरविबुद्धरमृतिनगविल्विनविबुद्धनंअश्रुआ ॥ ॐ वि
रमिस्त्रहा ॥ थमवाकवानात ॥ थयाधन्यतम्यवनंमवगुयामा
उलगयमइयू ॥ दकाजागसाकइयाउति ॥ महाजागनं ॥ कइ
याउति ॥ ३३ ॥ ॐ यधमहिउपुलावारुमुहमाकथागरु ॥ हवर्क

卷八

नखाभ्यानिग्राध॥पंचवादिमहाध्वनं॥धूमिमक्राकनचायाउगया
नदकालकननैसकजयाअकल्यानरयाउ॥आय॥ १० ॥ॐ
नाटयश्रयजिहसवयुहलमानयहनरुदरुदरुदस्वाहा॥ध्वनवा
व्यनानन॥ममयनिगिनायामकजल १६ ॥ॐचक्रवर्कमहाक
रायनिष्टरवधरहनरुदरुदरुद॥धूमिवाव्यनाननंवज्जुनि

॥ १५ ॥

[illegible]

॥ कं ॥

या ईश्वरस्य संवदाय ॥ तथा ॥ अं वरु म सवज सर्व कर्म नमदावा
धीचिह्वरुमदावाधिमक्षाय सक्रमनि सवज सर्व कर्म अवरुंसी
खधनि वरुखाहा ॥ धनवाक्खाना आयजायानातं पूजाया संव्यामह
॥ अंतमास मरुवदानां अस्मधर्मधातुकार्य गति गेता न
सर्वथा अखं अं ॥ सदा ॥ इह ॥ वन ॥ वरखाहा ॥ इहखाहा ॥ धनवा

॥ वं ॥

कथानातं धनवकवेलाचनयाधनमि मरुल ॥ ३३ ॥ अंतमास
वेकथा गत मसुथारगध्वनरुं ॥ धनवाक्खानातं अतूहज मसुव
ऊयागि लिनाम हदयदल ॥ ३४ ॥ अंतमारुगवमसवे रीमियनी
रधने सर्वयापविष्ठाधन्यपुद्वि विष्ठा सर्व कर्मनि वरन विर
धनखाहा ॥ धनवाक्खानातं यं च विमति मदावेलाचनयागुधा

三

॥ धर्मिवाक्यवानानेथमकुम्भकालादुद्यत्सु ७ मंगलया नामा
 कयदलायुअइल ॥ ३६ ॥ ॐ नमो ननु यथा ॥ ॐ नमो रगवश्य
 आर्य ॥ नसागजवलाचनव्यूहनाकायकथागनाया ॥ धर्मवा
 कयनानंदकोशानंदया ॥ ३७ ॥ ॐ नमो सर्वतथागत
 त्थ ॥ हनसम्यक्सेवदायकयथा ॥ ॐ नमो सर्वतथागत ॥ ३८ ॥

1129H

सप्तम्यमं वृद्धाय ॥ ॐ नमो आर्यावलाकनस्त्राय वाधिसलाय
महासलाय महाकाचनिकाय ॥ नमो ॥ ॐ नमो वाक्स्त्राय तं थ
अगुसपिलचिह्नचिह्नय ॥ १० ॥ ॐ नमो शिवीश्वर २००
हचक्रवर्तिनलश्चल २०० स्त्रमश्चल ०० लिमिलीचिह्नकलन
चनवनयस्त्राह ॥ ॐ नमो वाक्स्त्राय तं थकदस्त्राक्स्त्रनयाधानन

॥कं॥

कालमुखधारिणः॥ १०३ ॥ ओं श्राद्धं मनिष्यस्तुं और्वं
वानाहिबुद्धाकिनियवर्कवेलाचनियरुं रुद॥ धर्मवाच्यवानाने
महकनकवर्कवाहिहृदयः॥ १०४ ॥ ओं पमयमयनम
साहा॥ ओं जीं जीं जीं रुं रुं जीं जीं साहा॥ ओं कालचक्ररुं रुद॥ ओं वि
धमागाय रुं रुद॥ धर्मवाच्यवानायायुधधनकालचक्रयामनु

॥२३॥

धानिः॥ १०५ ॥ ओं रुनिनि सर्वजीं यरुं रुं॥ धर्मवाच्यवानायागि
यागुहृदयः॥ १०६ ॥ ओं वर्कवानाहिआव्यम॥ सर्वरुदुत रुं रुं
साहा॥ धर्मवाच्यवानानेवर्कवाहिआवाहनः॥ १०७
ओं यवपिचवर्क रुं रुद साहा॥ ओं वर्ककहिनिहवजाय रुं रुद सा
हा॥ ओं रुं रुद साहा॥ धर्मवाच्यवानानेचक्रसुखलयाजागमनु

॥कं॥

॥इल॥ ८० ॥ ओं धन २ धान २ य २ म २ र २ व २ ध २ क २ हं २ र २ स्वा हा ॥ ओं
मा स्व २ य म २ धा स्व क २ व ह हि कि न जि क २ हं २ र २ स्वा हा ॥ ओं व ऊ सूर्य न
मा वि स्व म न र म नं म हं २ र २ स्वा हा ॥ ओं आ ला कि क २ हं २ र २ स्वा हा ॥ ओं ह
ह २ हि २ य २ धा वि क २ हं २ र २ स्वा हा ॥ ओं आ ॥ की स्वा हा ॥ ओं व २ ध २
कि निय म्मा ॥ की हं ॥ धन वाक्क वाता नं र ग वा न म ह मा या ॥ या धा न

॥२४॥

॥नीइल॥ ८१ ॥ ओं की हं वि क ग न ना य हं २ र २ स्वा हा ॥ धनि वा
क्क वा ता नं थ २ क न म स वा जा र या आ वा क २ द यी आ इ ल ॥ ८२
ओं प्र सु र हं मा र २ मि मा द नि ग म न द्या र व क क थ २ व द हं २ र २ स्वा
हा ॥ धनि वाक्क वा ता नं म २ धी या वि वा य चाम नु इ ल ॥ ८३
ओं ग ल जि न वि म ना स मू २ ध म ह का र हं २ र २ स्वा हा ॥ धनि वाक्क वा

॥ कं ॥

॥ नानं हावतिया गुम कुइस्त ॥ ८४ ॥ ॐ अक सम च सम च सम
चय हं हं ॥ ध्वन वाक्कत सिं हं सुमिता मरुत न जाकि निया मे कुइस्त
॥ ८५ ॥ ॐ आ ॥ हं धिं कुनूर सिं हं कच धि सइ च द हं ल रुय न
च द ग सर्व मा ल य वं हं हं ॥ ध्वन वाक्कत नानं महा च ग ला व मं गु
इस्त ॥ ८६ ॥ ॐ अं हं हं ॥ ॐ व रुपा नि ह य ग व क च न हं हं ॥

॥ ॐ ॥

॥ ध्वन वाक्कत न यं ध्वन च उं दि ग अ हं दि ग य रु य मा हा च ग य रु य द
का मा च न रु यी उ ॥ ८७ ॥ ॐ हं न जा कि ति अ म पा नि जि व नि य
खा हा ॥ ॐ ध्या न का र्या न मा थ र्या ॥ ख न कं मा न सं थ र्या ॥ च नूर हं
ॐ महा न का च हं हं ॥ ॐ व रु म हा का ल रु श वि द्या न वि ना य का
न हं हं ॥ ॐ का च न य य हं हं ॥ ॐ चा म डाय हं हं ॥ ॐ श्री महा रु

ॐ

लवणियहंरुद॥ अंविनियचजनिनाऊसिगचिदवीहंरुद
 अंयुहंरुद॥ अंविनियचजनिनाऊसिगचिदवीहंरुद॥ अं
 ऊवमविचीरुलपुनिदवीहं॥ अंनमोऽगवगवगवगवमऊ
 यसर्वसऊमानयवदहंरुद॥ अंऊंविआर्यवनहं॥ अंधिजा
 निमिनीनिहं॥ अंवनदहं॥ अंवेखाहा॥ अंवेखावनायखाहा॥

॥३॥

ॐ गुरु लज्जु लिङाय स्वाहा ॥ ॐ यक्ष्णाय स्वाहा ॥ ॐ मानिहडा
य स्वाहा ॥ ॐ वस्य लाय स्वाहा ॥ धनवाक्क वाताया यस्व न ॥ श्रीपति
महलप्रियात्रियं कृत्वा उ अयू ॥ ८८ ॥ ॐ सपेमानाय स्वाहा
ॐ गुमानाय स्वाहा ॥ ॐ ऐश्वर्याय स्वाहा ॥ ॐ विविक्तु लिय स्वाहा
ॐ मरुथाय स्वाहा ॥ ॐ मरुआया देवी कात्ति २ महाकात्ति कंद ५ ॥

॥ कं ॥

धर्मवाक्यवानातंधर्मया ह्यवयामदुइत्त॥ ८९ ॥ ॐ नमस्त
नृवृक्षानां अचिन्नयनि॥ धर्मवाक्यवानातंध्यापेक्षतमदुविद्याउ
त्तरयाडा॥ ३५॥ ९० ॥ ॐ नमो गवतश्च स ह्यीकापुत्रायान
मिनागरं॥ नमथा॥ ॐ मृतिरमरा मृति धर्म संकरो॥ धर्ममस्य नित्यं
सर्वकार्यं सन्निभम्यधर्मं॥ नमथा॥ हस हस्मिन्॥ नमवि नम्यधर्मं

॥२१॥

[illegible]

॥ कं ॥

या ईं नमः संवृद्धाय ॥ धनं वाक्क वा नाने हि सा या नागु पापमाचन
दयुका उवाच ॥ ६१ ॥ ॐ नमो गवतमहाननश्चरितं
नयस्य कुरुना जायतथा गगाया ईं नमः संवृद्धाय ॥ धनं वाक्क
वा नायापं ननं मवया नमस्व गुकार्यो या नागु पापमाचन ॥ ६२
ॐ नमो गवतश्च वदस्व नानापुत्रलक्ष्म कर्मपतिरुयुविनरथा

॥ ६३ ॥

गगाया ईं नमः संवृद्धाय ॥ धनं वाक्क वा नायापं धनं मस्व गु
वचनं जानागु हे कागु पापमाचन ॥ ६४ ॥ ॐ नमो गवतस्य
हसिकवकुष्ठिचपु हसकविसुनियसकसहसुपाचमिकाय ॥ कथा
गाया ईं नमः संवृद्धाय ॥ धनं वाक्क वा नायापं धनं काममा
हमायाचानागु पापमाचन ॥ ६५ ॥ ॐ नमो गवतश्च नव



निनासम्य संवृकाटितादधगंगानदिवाल्कापुमानां तथागतका
 दीनां॥ धर्मिवाक्कवानागुयापंधनं॥ वृद्धयागुणविगसामुसुगुलि
 कपंध्यज्जानाकलउलिकपुनइरुल॥ १०१ ॥ अंनमाहगवन्ध
 प्रदसितवज्जसमकनथागकायाइरुनसंम्यसंवृदाय॥ धर्मिवाक्क
 वानानेधयापंधनं वज्जसुखवनकसअसालइयीकः धनदयका

॥३०॥

गुणायप॥ सुधर्मनालनागुया वृद्धदेवनामसि स्य धालकनागुया
मामवव्याकपिजयानागुया कृतधनागुया॥ वासनानपिथना
क्यागुया॥ धर्मनगुयापयमुखनाया ध्यापयकमकधक॥ क
त्येहदगनागतनसुहृदिस्रयाजाननश्चयनेकगकमजिअ
धनिककगुध्यापयकलालपाजधगुधाननिहदय॥ यकचिह्न

॥कं॥

नेदयकाजगत् ॥ एतद्वादहन ॥ श्रीसूर्ययात्रायतंगताजगत्तगुघा
चस ॥ मित्तकाजगत्तनव्यत्तस हस्तजगत् ॥ अथाचरस्मज्जयाज
जगत्त ॥ यमुदसांक्षसत्तयापमाचनज्जयाज ॥ मेधिकचनोमृदिना
अलगासज्जगत्त ॥ उपजाचनचक्रिकाकम्पयन्ध्वचगुचन
कलिजगत् ॥ तवमचक्रपचरुनापानधकगुफनंदयकाजगत्त

॥३१॥

एतद्वादक ॥ मेरुश्रीसमृद्धनामवर्मस्वामिते ॥ श्रीमन्मनिय
कैरुकिगवगयाज ॥ पुकासुयाताजगत्तयागु ॥ धमकुवर्कस्थीर
ले ॥ १०२ ॥ अंतमारुगवर्गवेलाचनपुरुकडवाजायगथागगा
याश्चैकसम्यक्वृदाय ॥ गयथा ॥ अंतमारुगवर्गसमनरुडगथा
गगायाश्चैकसम्यक्वृदाय ॥ महकाचनिका

य नयथा यन्निपचस्यपराधनियस्वारा धृञ्श्रुयमस्वस्वारा ॥ ध्व

मवावसानान्त्याधिसागुपाधनाग्यामसान् शिल्किप्रमानधृत

॥ कं ॥

॥ ३२ ॥

वनिपचिसमाफे ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥

॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥

आशा भोंसले

1.322

ASHA ARCHIVES